मां नन्दा देवी महोत्सव 3 से 8 सितम्बर तक मनाया जाएगा

(संवाददाता) नैनीताल। मां नन्दा देवी महोत्सव 3 सितम्बर से 8 सितम्बर तक धूम–धाम से मनाने हेतु जिला कार्यालय सभागार में जिलाधिकारी सविन बंसल की अध्यक्षता में बैठक आयोजित हुई। मॉ नन्दा देवी महोत्सव के निर्धारित कार्यक्रम अनुसार पंचमी 3 सितम्बर दिन मंलगवार को 02 बजे रामसेवक सभा प्रांगण में महोत्सव का उद्घाटन होगा तथा सांय 8 बजे कदली वृक्ष पूजन होगा। षष्ठी 4 सितम्बर दिन बुद्धवार को प्रातः 07 बजे कदलीवृक्ष लाने हेतु सभा भवन से देवला मल्ला खेड़ा गोलापार के लिए प्रस्थान व अपरान्ह 3 बजे कदलीवृक्ष के साथ नगर भ्रमण व झांकिया निकाली जायेगी।

रविदास मंदिर तोड़े पर दलित समाज ने निकाला विरोध मार्च

सिटी मजिस्ट्रेट के माध्यम से राष्ट्रपति को ज्ञापन किया प्रेषित

हरिद्वार। **संवाददाता**

दिल्ली के तुगलकाबाद में छह सौ साल पुराने रविदास मंदिर तथा गोरखपुर में डा.अंबेडकर विद्यालय तोड़े जाने के विरोध में एससी, एसटी, ओबीसी एवं अल्पसंख्यक समाज एकता मंच के बैनर तले दलित समाज ने पुल जटवाड़ा से चंद्राचार्य चौक तक पैदल मार्च निकालकर विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के बाद सिटी मजिस्ट्रेट के माध्यम से राष्ट्रपति को ज्ञापन भी प्रेषित किया गया।

ज्ञापन में रविदास मंदिर तथा अंबेडकर विद्यालय के पुर्ननिर्माण के लिए सौ–सौ करोड़ रूपए दिए जाने की मांग की गयी। तीर्थपाल रवि के संयोजन तथा विशाल राठौर के नेतृत्व में निकाले गए विरोध मार्च में सैकड़ों लोग शामिल हुए। तीर्थपाल रवि व विशाल राठौर ने कहा कि भाजपा सरकार बनने के बाद से दलितों पर अत्याचार लगातार बढ़ रहे हैं।

दिल्ली के तुगलकाबाद में सिकंदर लोदी के शासनकाल में बने छह सौ साल पुराने संत रविदास मंदिर तथा गोरखपुर में अंबेडकर विद्यालय को भाजपा सरकार ने तुड़वाकर देश के पूरे दलित समाज का अपमान किया है। पूर्व सांसद भगवान दास राठौर व चमार वाल्मिकि महासंघ के संस्थापक अध्यक्ष भंवर सिंह ने कहा कि दलित समाज के उत्पीड़न को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने मांग की दिल्ली स्थित रविदास मंदिर तथा गोरखपुर के अंबेडकर विद्यालय के पुर्ननिर्माण के लिए सरकार 100–100 करोड़ की सहायता दे तथा दोषी व्यक्तियों के खिलाफ दंडात्मक कार्यवाही करे।

सीपी सिंह व सतीश कुमार ने कहा कि अत्याचारों के खिलाफ दलित समाज को संगठित होकर स्वयं ही संघर्ष करना होगा। उन्होंने कहा कि सरकार को जल्द से जल्द से मंदिर का पुर्ननिर्माण कराना चाहिए। प्रदर्शन करने वालों में इंजीनियर रवि बहादुर, नितिन तेश्वर, सुनील कड़च्छ, रोशन लाल, प्रदीप नौटियाल, रामकुमार राणा, प्रवीण कुमार, मंजीत नौटियाल, आशीष, रजनीश, राजेश पहलवान, विजयपाल, सुनील राजौर, सुशील कुमार, मास्टर मोदीमल, जयपाल सिंह, जगपाल सिंह, पार्षद नेपाल सिंह, बलराम राठौर, पास्टर सुरेंद्र, ब्रह्मपाल आदि सहित सैकड़ों लोग शामिल रहे।

विरोध मार्च निकालते दलित समाज के लोग।

सुपरफास्ट खबरें

डीएम ने जल संस्थान के पम्प गृहों का निरीक्षण किया

(संवाददाता) नैनीताल। जिलाधिकारी सविन बंसल ने जल संस्थान के पम्प गृहों के साथ ही वर्षाकाल में मस्जिद तिराहे पर होने वाले चोक अथवा ओवरफ्लों सीवरेज लाईन का भी स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मुख्य पम्प हाउस में सीसीटीवी केमरे लगाने साथ ही पम्प हाउसों में पड़े निष्प्रोज्य सामाग्री की नीलामी करने के निर्देश मौके पर दिये। बंसल ने कहा कि नैनीताल की सीव्रेज लाईनों को और चुस्त–दुरूस्त किया जाएगा।

गौ व गंगा संरक्षण में संत समाज की अहम भूमिकाः स्वामी अच्युतानन्द तीर्थ

(संवाददाता) हरिद्वार। भूमापीठाधीश्वर स्वामी अच्युतानन्द तीर्थ महाराज के 65वें अवतरण दिवस एवं सन्यास दीक्षा के 33 वर्ष पूर्ण होने पर भूपतवाला स्थित भूमानिकेतन आश्रम में श्रद्धालु भक्तों का तांता लगा रहा। भक्तों ने स्वामी अच्युतानन्द तीर्थ महाराज का फूलमालाएं पहनाकर उनका आशीर्वाद लिया तथा उनकी दीघार्यू की कामना की। शहरी विकास मंत्री मदन कौशिक ने आश्रम पहुंचकर स्वामी अच्यूतानन्द तीर्थ महाराज को जन्म दिवस की बधाई दी और उनसे आशीर्वाद प्राप्त किया।

आपदा प्रभावित जिले में आपदा प्रबंधन का नामोनिशान नहीं

आपदा ने घर–आंगन ही नहीं छीने, कमर भी तोड़ डाली

कुदरत का कहर

उत्तरकाशी। **संवाददाता**

आराकोट में आपदा ने ग्रामीणों के घर–आंगन ही नहीं छीने, आजीविका का मुख्य जरिया भी छीन लिया। लोगों को यहां इतने गहरे जख्म मिले हैं कि उनके लिए संभलना भी मुश्किल हो गया है। आराकोट सेब के लिए खास पहचान रखता है, पर आपदा ने इस पहचान को ही मिट्टी में मिला दिया, जिससे बागवानों के हाथ रीते हो गए हैं। गौरतलब है कि रविवार सुबह बादल फटने से उत्तरकाशी की न्याय पंचायत आरोकोट के गांवों में कुदरत का कहर बरपा। यहां के दर्जनों गांवों में मृतक संख्या 13 पहुंच गई, जबकि लगभग 15 लोग अब भी लापता बताए जा रहे हैं। हालांकि, जिला प्रशासन छह से सात लोगों के लापता होने की पुष्टि कर रहा है। इन गांवों में 50 से 60 लोग

चोटिल भी हुए हैं। इनमें से छह को हेली रेस्क्यू करके अस्पतालों तक पहुंचाया गया। चार का देहरादून में इलाज चल रहा है। करीब 28 घंटे बाद सोमवार सुबह प्रभावित क्षेत्रों में रेस्क्यू टीमों के पहुंचने का सिलसिला शुरू हुआ। माकुडी और बलावट गांव में चौतीस घंटे बाद हेलीकॉप्टर से रेस्क्यू टीमों को ड्रॉप किया जा सका। टिकोली में यह भी संभव नहीं हो पाया, हालांकि पूर्वाह्न करीब 11 बजे यहां पैदल टीम पहुंच गई थी।

बरसाती नालों के उफान के साथ आए मलबे ने यहां का एक प्रकार से भूगोल ही बदल कर रख दिया है। संपर्क मार्ग, पैदल रास्ते, पुलिया टूटने से गांवों तक पहुंचना चुनौती बना हुआ है। इसी के चलते रविवार सुबह उत्तरकाशी मुख्यालय ये यहां से लिए चली रेस्क्यू टीमों के सोमवार सुबह पहुंचने का सिलसिला शुरू हो पाया जो दोपहर बाद तक चला।

सेब की फसल हुई तबाहः आराकोट के 35–वर्षीय सुदेश रावत बताते हैं कि उनका 650 पेड़ों का सेब का बागीचा था और सभी पेड़ फलों से लकदक थे। इस बार उन्हें 15 हजार टन सेब के उत्पादन का अनुमान था और 20 अगस्त से सेब को तोड़ने का कार्यक्रम भी तय था। इसके लिए उन्होंने चंडीगढ़ के आढ़तियों से बात भी की थी, लेकिन आपदा में पूरा बागीचा तबाह हो गया।

गढ़वाल मंडल के सीमांत जिले उत्तरकाशी और चमोली आपदा की दृष्टि से सबसे संवेदनशील हैं। इन जिलों में सालों से साल–दर–साल आपदा की बड़ी घटनाएं घट रही हैं, फिर आपदा प्रबंधन का तंत्र मजबूत नहीं हो पा रहा। तंत्र की मजबूती के लिए अभी तक जो भी जो प्रयास हुए, वह सरकारी पैसे को ठिकाने लगाने से आगे नहीं बढ़ पाए। इसकी बानगी उत्तरकाशी के आराकोट क्षेत्र में आई आपदा है, जहां आपदा प्रबंधन तंत्र हवा–हवाई साबित हुआ।

अल्मोड़ा महोत्सव को भव्य बनाने की कवायद शुरू

(संवाददाता) अल्मोड़ा। अक्टूबर महीने में होने वाले अल्मोड़ा महोत्सव कार्यक्रम को लेकर प्रशासन ने कवायद तेज कर दी है। जिलाधिकारी ने मंगलवार को इस संबंध में अधिकारियों की बैठक ली और कार्यक्रम स्थल के बारे में चर्चा की। डीएम ने कहा कि इस चार दिवसीय कार्यक्रम के जरिए जिले में पर्यटन को बढ़ावा देने के हरसंभव प्रयास किए जाएंगे।

कैंप कार्यालय में आयोजित बैठक को संबोधित करते हुए डीएम नितिन भदौरिया ने बताया इस महोत्सव में सांस्कृतिक कार्यक्रमों के अलावा नृत्य, साहसिक पर्यटन गतिविधियां, मैजिक शो, हास्य कवि सम्मेलन, स्टार नाइट शो, लाइट साउंड शो समेत अनेक कार्यक्रमों का आयोजन कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि इन कार्यक्रमों के लिए जिन कलाकारों को बुलाया जाना है उनसे बात कर इसकी रूपरेखा तैयार कर ली जाए। बैठक में तय किया गया कि इस बार भी महोत्सव के दौरान आयोजित होने वाले सभी कार्यक्रम जीआईसी के मैदान में कराए जाएंगे।

वैज्ञानिक सोच के साथ आगे बढ़ें विद्यार्थी

ब्लॉक स्तरीय विज्ञान संगोष्ठी का शुभारंभ

अल्मोड़ा। **संवाददाता**

विद्यार्थी वैज्ञानिक सोच के साथ जीवन में आगे बढ़ें। यह बात नगर के आर्य कन्या इंटर कॉलेज के सभागार में ब्लॉक स्तरीय विज्ञान संगोष्ठी का शुभारंभ करते हुए मुख्य अतिथि प्रधानाचार्य सुरेश चंद्र पाठक ने कही।

इस बार विज्ञान संगोष्ठी का मुख्य विषय रसायनिक तत्वों की आवर्त सारणीरू मानव कल्याण पर प्रभाव रखा गया था। ब्लॉक विज्ञान समन्वयक डॉ. ललित मोहन एस जलाल ने संगोष्ठी की रूपरेखा प्रस्तुत की। बताया कि यह वर्ष यूनेस्को की ओर से अंतरराष्ट्रीय आवर्त सारणी के रूप में मनाया जा रहा है। 150 साल पहले 1869 में मेंडलीफ ने तत्वों को इसी वर्ष आवर्त सारणी को स्थापित किया था। उन्होंने कृषि, स्वास्थ्य के साथ ही दैनिक जीवन में आवर्त सारणी के तत्वों का उल्लेख किया। निर्णायकों ने प्रतिभागियों के विषय प्रस्तुतिकरण, व्याख्यान की धाराप्रवाहिता, मौखिक प्रश्नों के उत्तर देने की क्षमता

विषय के प्रस्तुतिकरण में नवाचार को ध्यान में रखते हुए छात्र–छात्राओं का किया मूल्यांकन

तथा विषय के प्रस्तुतिकरण में नवाचार को ध्यान में रखते हुए छात्र–छात्राओं का मूल्यांकन किया। जिसमें आर्य कन्या इंटर कॉलेज की पार्वती चौहान ने प्रथम, राजकीय इंटर कॉलेज भगतोला की निकिता मेहरा ने दूसरा तथा राजकीय इंटर कॉलेज चौरा हवालबाग की ज्योति जोशी ने तीसरा स्थान हासिल किया।

निर्णायकों में डॉ. कपिल सिंह नयाल, तरूण जैड़ा, डॉ. दीप जोशी शामिल रहे। संगोष्ठी का संचालन देवेंद्र सिंह जीना ने किया। इस मौके पर आर्य कन्या इंटर कालेज की प्रधानाचार्या पंकज लता साह, विमलेश राहुल, दलीप सिंह बिष्ट, सुरेश कर्नाटक, हंसा पंत, डॉ. मनोज बिष्ट, रूपा भंडारी, किरन पांडे, देवेश तिवारी, देवेंद्र चिलवाल, डिंपल

जोशी, लोकेश बिष्ट, ललित प्रसाद, कैलाश चंद्र, दीपा बिष्ट, अलेखा साह, निर्मला रावत, गीता जोशी, पिंकी टम्टा, ममता दुर्गापाल, मालती घस्याल समेत हवालबाग ब्लॉक के विभिन्न विद्यालयों के विज्ञान अध्यापक शामिल रहे।

पंचायती अखाड़ा निर्मल की संपत्ति को खुर्द–बुर्द नहीं होने दिया जाएगा

बैठक

अखाड़े का महंत नियुक्त किए जाने को निर्मल अखाड़े के संतों ने गलत करार दिया

हरिद्वार। **संवाददाता**

कनखल स्थित श्री पंचायती अखाड़ा निर्मल संतों महंतों ने पंजाब में रेशम सिंह को निर्मल अखाड़े का श्रीमहंत घोषित किए जाने को पूरी तरह गलत व नियम विरूद्ध करार दिया है। अखाड़े में हुए संतों की बैठक को संबोधित करते हुए अखाड़े के अध्यक्ष श्रीमहंत ज्ञानदेव सिंह महाराज ने कहा कि अखाड़े की संपत्ति को खुर्दबुर्द करने की नीयत से नियमो के खिलाफ अखाड़े के श्रीमहंत की घोषणा की गयी।

उन्होंने कहा कि बाबा कश्मीर सिंह भूरी वाले अखाड़े की संपत्ति को कब्जाने की नीयत से लगातार इस तरह के प्रपंच रहे हैं। इसके पूर्व भी अखाड़े व एक्कड़ कला स्थित अखाड़े की संपत्ति को कब्जाने का प्रयास किया जा चुका है।

अखाड़े की संपत्ति को किसी भी दशा में खुर्दबुर्द नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि अखाड़े के नियमों के अनुसार बैठक बुलाने का अधिकार केवल अध्यक्ष को ही है। कश्मीर सिंह भूरी वाले व उनसे जुड़े कथित संत शुरू से ही फर्जी काम करते चले आ रहे हैं। श्रीमहंत ज्ञानदेव सिंह ने यी भी आरोप लगाया कि श्रीमहंत घोषित किए जाने के दौरान निर्मल भेख से जुड़ा कोई भी संत मौजूद नहीं था। ना ही किसी अन्य अखाड़े व आश्रम का कोई संत इसमें शामिल हुआ। निर्मल अखाड़ा एक रजिस्ट्रर्ड संस्था है। बिना पदाधिकारियों की सहमति के कोई मीटींग नहीं हो सकती है। मीटींग बुलाने का अधिकार भी केवल अखाड़े अध्यक्ष को है।